an>

Title: Regarding alleged grant of bail to mastermind behind 26/11 Mumbai terror attack by a Pakistani anti-terror court.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : माननीय अध्यक्षा जी, यह बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा हमने उठाया है और सारे सदन के सदस्य भी बड़े चिंतित हैं क्योंकि दो दिन पहले ही 132 बच्चों की हत्या पाकिस्तान में कर दी गई थी।उसके बाद पाकिस्तान के प्रधान मंत्री श्री नवाज शरीफ जी ने कहा था कि हम टैरिज्म को रोकने के लिए हम हर कदम उठाएंगे और सबके साथ मिलकर काम करेंगे। यह वादा भी उन्होंने किया था।

लेकिन दो दिन के बाद उनका दूसरा चेहरा आज हमें दीख रहा है, जो हमारे सामने आया है। जिस पर कोर्ट में केस चल रहा है, जकी-उर-रहमान लखवी, उन सात लोगों में से एक एक्यूज्ड है। उसकी बेल के बारे में जब पूरे पाकिस्तान में वकीलों की हड़ताल हो रही थी तो उस वक्त यह विषय रावलपिंडी एंटी-टैरिस्ट कोर्ट में पेश करके बगैर बहस के अगर उन्हें बेल दी जाती है और सरकार भी उधर ध्यान नहीं देती है तो इसे क्या कहना चाहिए और किस ढंग से इसे कंडैम करना चाहिए। यह मैं सरकार से पूछना चाहता हूं।

दूसरी चीज यह है कि कांस्टेन्टली ऐसे केसिज के बारे में, जो लोग 26/11 में 166 लोगों को मारकर गये थे, जिन्हें इस लखवी ने ट्रेनिंग दी थी तो उन्होंने ही ...(व्यवधान) आपने अगर साइड किया तो मुश्किल होगी। क्योंकि यह बड़ा इश्यु है और सिर्फ मुम्बई वाले ही नहीं, बल्कि सारे देश के लोग इस पर चिंतित हैं और उसके बारे में हम जानना चाहते हैं कि सरकार का क्या रुख है। क्योंकि टेलिफोन पर प्रधान मंत्री जी की बात हो गई, जब 132 बच्चों की मौत हुई थी। मैं यह जानना चाहता हूं कि प्रधान मंत्री का इसके बारे में क्या विचार है? क्योंकि प्रधान मंत्री जी ने जब उनसे बात की थी तो उन्होंने क्या आश्वासन दिया, क्योंकि उनकी बात टेलिफोन पर हुई थी और क्या नवाज शरीफ साहब हमारे साथ मिलकर टैररिज्म को खत्म करने के लिए कदम उठाना चाहते थे या उनसे और क्या बातें हुई। इस सदन को प्राइम मिनिस्टर अगर बतलायेंगे तो बहुत बड़ी मेहरबानी इस देश की जनता के ऊपर वह करेंगे। यह हमारी मांग है। अब आप यह नहीं कह सकते हैं, क्योंकि इसके बारे में हमारी कोई पोलिटिक्स नहीं है और हम पोलिटिक्स करना भी नहीं चाहते हैं, क्योंकि यह एक बहुत बड़ा मुद्दा है और यदि ऐसे एक-एक करके लोग छूटते गये तो टैररिस्ट्स का हौसला और भी बढ़ता जायेगा और हर जगह ऐसे ट्रेनिंग कैम्प खुलते जायेंगे। सारी दुनिया में ऐसे टैररिस्ट्स का फैला हुआ जाल है और आपने देखा होगा कि टैररिस्ट्स ने हर साल दो हजार से लेकर 22 हजार तक लोगों को मारा है और आज आठ-दस सालों में अगर हम उनकी संख्या देखेंगे तो लगभग एक लाख के आसपास होगी। दुख की बात यह है कि हम यहां यूनानिमसली रेजोल्यूशन लाये, आपने लाकर कंडैम किया और हमने यह कहा कि पाकिस्तान की इस दुखद घटना में हम सभी एक हैं और सारी दुनिया के लोग एक हैं। लेकिन उसके दो दिन के बाद ऐसे टैररिस्ट को रिहा करना और सिर्फ पांच लाख रुपये की बेल पर अगर वह उसे रिहा कर देते हैं तो यह बड़ी मुश्किल स्थिति है, इसमें प्रोसीक्यूशन का फेल्योर है। हमारी सरकार किस हद तक इसका परस्युएशन करेगी, क्योंकि वहां के एम्बेसेडर से इसके बारे में डे-टुडे जांच करना और मालूमात करना यह हमारा कर्तव्य होता है। मैं यह नहीं कहता कि वहां जाकर हमारे वकील कुछ नहीं कर सकते। लेकिन जब हमने उन्हें बहुत से एविडेन्स दिये थे, हमारे निकम साहब, जो मुम्बई के एडवोकेट थे, उन्होंने भी एविडेन्स दिये थे। लेकिन उन्होंने किसी ऐविडेन्स को नहीं सुना और वह वहां की कोर्ट में दाखिल नहीं हुआ।

इसलिए हम एक सैंमिस्टर स्टेटमेंट इसके बारे में आपसे मांगते हैं। प्राइम मिनिस्टर आ कर अगर स्टेटमेंट देंगे तो अच्छा होगा। ...(व्यवधान) I am not debating or scoring any point over you. We are all concerned about it. जितनी चिंता आपको है, उतनी ही चिंता हम सबको भी है। इसीलिए मैं चाहता हूँ कि बेहतर यह होगा कि प्राइम मिनिस्टर यहां आ कर अपनी बात रखें तो सभी को मालूम होगा, सारी जनता को भी यह मालूम होगा। हर वीक तो आप रेडियो पर मन की बात करते हैं, कम से कम देश के लिए क्या बात है, यहां पर आ कर बताएं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आपकी बात पूरी हो गई, अब किरीट सोमैया जी आप बोलें।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER:

Shrimati Kavitha Kalvakuntla,

Shri Godam Nagesh,

Shri M.B. Rajesh,

Shri P.K. Biju and

Shri Bhagwant Mann are permitted to associate with the matter raised by Shri Mallikarjun Kharje during 'Zero Hour' today..

शहरी विकास मंत्री, आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री एम. वैंकैय्या नायडू) : मैडम, यहां सबसे मेरा अनुरोध है कि यह बहुत गंभीर और नाजुक मामला है। हमारे पड़ोसी देश में जो हो रहा है, हम उसके बारे में चर्चा कर रहे हैं। इसलिए एक मैसेज ऐसा चाहिए कि पूरा सदन एक हो कर इस विषय में एक स्वर से बोले। इसलिए कमेंट, साइड कमेंट, रनिंग कमेंट किसी को नहीं करना चाहिए। इंटरनैशनल लैवल पर भी लोग इसको देख रहे हैं। स्पीकर महोदय जिनको मौका देंगे, वे सभी लोग बोलें और केवल इसको निंदा करें और इसके बारे में क्या करना चाहिए, वहां तक सीमित करें तो बेहतर होगा। जैसा मैंने सुबह कहा बंग्लादेश के प्रेसिडेंट आए हैं, वे प्रधान मंत्री के साथ भी मिल रहे हैं और मंत्री जी के साथ में मिल रहे हैं। मगर बहस पूरी होने के बाद मैं उन लोगों से चर्चा कर के इस पर कैसे और कब रिस्पांस देना है, वह मैं आपको बताऊंगा।

डॉ. किरीट सोमैया (मुम्बई उत्तर पूर्व) : माननीय अध्यक्ष महोदया, खड़गे जी जब बता रहे थे, उस समय मुझे वह पल और क्षण याद आ रहा था कि 26/11 की उस रात को मैं सीएसटी स्टेशन के बाहर उस चौक पर खड़ा था और मेरे सामने गोलियों की बौछार हो रही थी। यह जो ज़की उर रहमान लखवी, उनके शागिर्द ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ये क्या हो रहा है? क्यों हंस रहे हैं? क्या बात है? यह गलत तरीका है? आप चाहते क्या हैं?

â€¦(व्यवधान)

डॉ. किरीट सोमैया : मैडम, मैं पुनः एक बार कहता हूँ कि जब ये लखवी के शागिर्द वहां पर गोलियों की बौछार कर रहे थे, तब मैं वहां जनता के साथ खड़ा था। मेरे सामने हेमंत करकरे वहां से निकल कर उन आतंकवादियों का सामना करने के लिए कामा हॉस्पिटल पहुंचे। कुछ क्षणों बाद उस अस्पताल के बगल के जीटी अस्पताल में जो दूसरे शहीद विजय सारसकर हैं, उनका मृत देह लाया गया। आज मुझे वह हेमंत करकरे, उनका परिवार, उनकी पत्नी जो चल बसी हैं, याद आते हैं। जब हमारी कोर्ट में कसाब पर मुकदमा चल रहा था, तब अनेक बार हमने मांग की थी कि उस गुनहगार को हमें सौंपा जाए। मगर पाकिस्तान ने हमें वह नहीं सौंपा। पाकिस्तान ने कहा कि हम न्याय करेंगे, हम उसके ऊपर प्रोसिडिंग चलाएंगे सिर्फ इतनी बातें की और आज उसको जमानत के ऊपर छोड़ दिया। आज इतने परिवार बर्बाद हो गए हैं।

माननीय अध्यक्ष महोदया, विजय सारसकर हों या हेमंत करकरे हों, उनकी शहादत, आज इस सदन को उनकी शहादत को याद कर के एक स्वर में पाकिस्तान से यह कहना चाहिए कि जो भी गुनहगार हैं, उन्हें तुरंत हिंदुस्तान के न्यायालय में हाज़िर किया जाए। पाकिस्तान पर मुकदमा चलाया जाए और जो हाल कसाब का हुआ है, वही हाल सिर्फ लखवी ही नहीं, उनके साथ में जो भी मास्टरमाइंड हैं, उन सबके किए जाएं। यह मैं आपके द्वारा प्रार्थना करना चाहता हूँ। हम सब की जो भावनाएं हैं, हिंदुस्तान की जो भावनाएं हैं, विदेश मंत्रालय ने तो वह पाकिस्तान सरकार से व्यक्त की हैं। लेकिन मैं आपके द्वारा यह भी व्यक्त करना चाहूंगा कि सदन आज जो भाव व्यक्त करे, वह विदेश मंत्री स्वयं या सरकार का कोई उचित अधिकारी यह भाव पाकिस्तान के प्रधान मंत्री नवाज़ शरीफ तक पहुंचाए कि हमारे जो हाल हुए हैं, वे आपके भी होने लगे हैं, इसलिए आतंकवाद का मुकाबला हम एक साथ मिल कर करें। मेरी यही प्रार्थना है।

माननीय अध्यक्ष :

श्री पी.पी. चौधरी और

श्री अर्जुन राम मेघवाल को डॉ. किरीट सोमैया द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री मोहम्मद सलीम (रायगंज) : महोदया, यह बहुत ही आश्चर्य की बात है कि जब दो रोज़ पहले पेशावर में इतने बच्चों की मौत आतंकवादियों के हाथों हुई है, सिर्फ पाकिस्तान ही नहीं, पूरा विश्व, हमारा पूरा देश, हम सबने राजनीति, देश, धर्म, मजहब से ऊपर उठकर इसका कंडेम किया। आतंकवाद से कोई समझौता कोई भी अगर करता है तो बाद में उसे भुगतना भी पड़ता है। किसी भी बहाने आतंकियों के साथ कोई भी समझौते की जगह नहीं है।

मुम्बई में 26/11 को सरहद पार से लोग आए और हमारे लोग आतंकी हमले का शिकार हुए। अभी किरीट सोमैया जी ने कहा, हेमंत करकरे, सलास्कर, कामते और ऐसे हमारे बहुत से, सिर्फ हमारे सुरक्षाकर्मी ही नहीं, हमारे नागरिक, विदेशी पर्यटक और बेगुनाह लोगों को मारा गया। हम जब यह माँग कर रहे हैं कि जो अपराधी पाकिस्तान में बैठे हैं, चाहे वह हाफिज सईद हो, चाहे लखवी हो, उनको हमारे हाथ में दिया जाए। अगर पाकिस्तान उन्हें सजा नहीं सुना सकता है तो हिन्दुस्तान की सरजमीं पर हम उनको सजा सुनायेंगे। यह तब हो रहा है, जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने यह कहा कि दिल दहल गया पाकिस्तान का और हम तब तक यह जंग लड़ते रहेंगे, जब तक आखिरी टेररिस्ट पाकिस्तान में जिंदा रहेगा। उसके बाद यह काम बिल्कुल भी बर्दाश्त के लायक नहीं है। अगर पूरा पाकिस्तान टेररिस्ट के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार है तो फिर वहाँ पर लखवी को जमानत मिलने का कोई सवाल नहीं है। इसलिए हम समझते हैं कि हमारी भावना है कि एकजुट होकर पूरे देश की तरफ से, अगर दक्षिण एशिया में हमें दहशतगर्दी से लड़ना है तो हम किसी भी हिस्से में चाहे वह पाकिस्तान हो, चाहे बांग्लादेश हो, चाहे हिंदुस्तान हो, चाहे श्रीलंका हो, किसी की जमीन को भी हम टेररिस्ट को इस्तेमाल करने नहीं देंगे।

पाकिस्तान के बच्चों के ऊपर हमले ने जैसे हमारा दिल झिंझोड़ दिया है, हमारे लोगों की जो हत्या हुई, वह पाकिस्तान के दिल को भी दहलाने वाला है। अमन पसन्द लोग चाहे वे सरहद के उस पार हों या सरहद के इस पार हों, हमें एक साथ मिलकर दहशतगर्दी का खात्मा करना है। इस बात को आप हमारे देश की संसद के जरिए पाकिस्तान की संसद को भी बतायें कि अगर उनकी जुडीशियरी में अभी भी ऐसी कमजोरी है कि वहाँ की दहशतगर्दी को वे पनाह देते हैं तो वहाँ की संसद, कम से कम वहाँ की जनता के प्रतिनिधि इस बात को दोहराएं कि हम दहशतगर्दी से कोई समझौता नहीं करेंगे।

SHRI KALYAN BANERJEE (SREERAMPUR): Yesterday was a very unfortunate day. When I was watching the television, I saw that on the basis of evidence, a court of Pakistan had come to a conclusion that the charges were not established. Indian Government had handed over the evidences which conclusively prove their allegation itself. Unfortunately, such evidence was discarded. Without attributing any aspersion on the Judiciary – I am using the very legal term – I would say that the entire findings of the court of Pakistan was totally perverse and ignored the evidences which were handed over by the Indian Government.

Therefore, I, through you, Madam, request the hon. Ministers who are present here, that this should taken up very seriously and immediately with the Pakistan Government. An immediate appeal should be preferred against this judgement. All steps should be taken for that purpose. I appeal to the hon. Minister to inform the Pakistan Government of our action. Our Attorney General may be sent there for the purpose of argument against the accused. I know limitation is there. Therefore, this request can be made – if it is needed, our Attorney General of India will go and argue the matter against the accused in that case. We should condemn in a very stricter language and criticize the judgement of the Pakistan court.

श्री अरविंद सावंत (मुम्बई दक्षिण) : महोदया, एक बहुत महत्वपूर्ण और गम्भीर विÂाय पर और देश की सुरक्षा के विÂषय पर इस सदन में चर्चा हो रही है। महोदया, 26/11 की बात आई, उसके पहले भी मुम्बई में हादसे होते रहे हैं।

रेल में बम विस्फोट हुए। 26/11 में तो जैसे हमारे किरीट सोमैया जी ने कहा, कामटे, करकरे और सालसकर और सबसे महत्वपूर्ण जो कांस्टेबल था तुकाराम ओम्बले, उसने आतंकवादियों को पकड़ा, तभी तो कसाब मिला और कसाब के पकड़े जाने की वजह से सारी दुनिया को पाकिस्तान का आतंकवादी चेहरा नज़र में आया। आज ये सारी चीजें सामने आ रही हैं। दुर्भाग्यवश कल-परसों जो पाकिस्तान में हुआ, इतना दुख हुआ, इतना दर्द हुआ, इतना सदमा पहुँचा कि क्या उन बच्चों का कुसूर था। इतना होने के बावजूद, सारी दुनिया दुखी थी। उस माँ की तरफ जब हम देखते थे तो लगता था कि जिस माँ ने अपना बच्चा खोया, जिस पिता ने अपने बच्चा खोया, जिसने अपना भाई खोया, उनके घर में, उनके परिवार में क्या दुख रहा होगा। उन बच्चों का क्या कुसूर था? ऐसे माहौल में कोर्ट ने निर्णय दिया और जो हमारे 26/11 के आरोपी थे, उनको रिहा कर दिया। अब वह तो ज़ख्म पर नमक छिड़कने वाली बात है। मैं सदन के माध्यम से सरकार को कहूँगा कि इसके बारे में कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें। शरीफ साहब जो वहाँ के प्रधान मंत्री हैं, उनसे बात करें और फिर दोबारा केस ओपन करें। जैसे अभी माननीय सदस्य कल्याण बनर्जी ने एशिया की बात कही, मुझे तो लगता है कि पूरी दुनिया को इस मुद्दे पर इकट्ठा होना चाहिए। यह बहुत डैस्टर्डली एवशन है। इस पर पूरी दुनिया को इकट्ठा होना चाहिए सारे आतंकवादियों के खिलाफ, कभी कभी बहुत दिमाग में यह बात आती है।...(व्यवधान) मैं एक मिनट में अपनी बात खत्म करूँगा। इस बात को लेकर उसको रिहा कर दिया है और इसका इल्ज़ाम सईद हाफिज़ हमारे माननीय प्रधान मंत्री पर लगा रहे हैं। यह तो और भी दुख की बात है। वह सरेआम टीवी पर आकर यह बात कहता है जिसके खिलाफ हमारी सरकार को चुप करके नहीं बैठना चाहिए। मैं इस सदन के माध्यम से सरकार से

प्रार्थना करता हूँ कि इसको लेकर न सिर्फ एशियन कंट्रीज़, Let it go to the UN also. But, somewhere we have to stop it. It is creating problem in Afghanistan, Balochistan, Syria, Iran, Iraq; it is creating a problem throughout the world. Extremists are creating problem throughout the world. उसको हम जितना डिप्लोर करें, जितनी उसकी निन्दा करें वह कम है।

SHRIMATI KAVITHA KALVAKUNTLA (NIZAMABAD): Madam, the release of the most wanted terrorist Lakhvi by the Pakistan Government exposes the dual nature of Pakistan today. Not only our country, but the entire world is watching Pakistan and we all understand that. But to strictly condemn from our side and make sure that India is serious about the intentions of containing terrorism inside our territory, we need to send a serious message from the Parliament.

Through you Madam, I would request the Government to bring about a resolution which, I am sure, all the parties will support unanimously. Let us make a resolution from our Parliament strictly condemning the action and also the situation to be taken under control. I would request for a resolution to be brought in from the Government side. Thank you.

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) : अध्यक्ष महोदया, सबसे बड़ी बात है कि पाकिस्तान में बच्चों के साथ जो घटना घटी, उसके बाद लगातार वहाँ से, उनके देश से सिर्फ आतंकवादी ही नहीं, देश के राजनीतिक व्यक्ति ने भी जिस तरीके से रें को, प्रधान मंत्री जी को या यहाँ की सरकार को जिस तरीके से उन्होंने निशाना बनाया है, इससे साफ ज़ाहिर होता है कि उसके संदर्भ हमारे देश के प्रति सही नहीं हैं। मैं सिर्फ कंडैम करने के लिए खड़ा नहीं हुआ हूँ। पाकिस्तान का दोहरा चरित्र हमेशा दिख रहा है। खास तौर से कोर्ट और वहाँ के जो सदस्य हैं, वहाँ के जो प्रधान मंत्री हैं, जो भी बने हैं, उनका हमेशा से दोहरा चरित्र रहा है। इस दुनिया को वहाँ के जो दो चरित्र हैं और वहाँ आतंकवाद को बढ़ावा देकर जो तालिबान को पैदा किया और हिन्दुस्तान हमेशा सबसे ज्यादा प्रभावित रहा है, पूरे हिन्दुस्तान के साथ पूरी दुनिया को इकट्ठा होकर इस तरह की घटना के खिलाफ निन्दा तो करनी ही चाहिए, आतंकवाद के खिलाफ हमारे देश को पूरी दुनिया से बात करके, एक माहौल तैयार करके आतंकवाद की समाप्ति के लिए, उसके सफाये के लिए कठोर कदम उठाने चाहिए, हम ऐसा महसूस करते हैं। हम सदन के मार्फत मरे हुए लोगों के प्रति संवेदना के साथ इस बात की निन्दा करते हैं कि जो मुम्बई घटना के अभियुक्त को छोड़ा गया, उसको अविलंब गिरफ्तार करें और उसे भारत को सौंपें, मैं ऐसा चाहता हूँ।

श्री असादुद्दीन ओवैसी (हैदराबाद) : मैडम, एक ऐसा दहशतगर्द जिसने मासूम हिन्दुस्तानियों का कत्ल किया और पाकिस्तान की अदालत ने उसको ज़मानत पर रिहा किया, मुझे अफसोस होता है कि कैसी अदालत है और कैसी जेल है कि एक दहशतगर्द जेल में रहते हुए भी बाप बन जाता है। इससे अंदाज़ा होता है कि वहां की अदलिया हमें इंसाफ दिलाने के लिए कितनी गंभीर है। मैं आपके ज़रिए से हुकूमत से इस बात का मुतालबा करता हूं कि इस बात का सख्त नोट लें। पाकिस्तान के सिफारतकार को यहां बुलाकर अपना एहतजाज दर्ज करें और पूरी कोशिश करनी चाहिए कि दबाव डाला जाए बेनल अकवामी सतह पर अकवामे मत्तहदा का दहशतगर्द है। जब मुम्बई में हमला हो रहा था, तब ज़की-उर-रहमान लखवी कराची में हाफिद सईद के साथ था। कसाब ने कन्फेशन किया था कि ज़की-उर-रहमान लखवी से उसकी बात हुई, हाफिद सईद से उसकी बात हुई। हम उम्मीद करते हैं कि न सिर्फ ज़की-उर-रहमान लखवी, बल्कि हाफिज सईद को भी भारत सरकार के दबाव के जरिए वहां की हकूमत हिरासत में ले, जिससे कि जो मासूम हिंदुस्तानियों का कत्ल हुआ, उसका हम पूरा बदला ले सकें।

आखिरी बात मैं आपके जरिए से हुकूमत को बताना चाहता हूं कि दिसम्बर में अफगानिस्तान से अमरीका तख्लिया कर रहा है। इस सिलसिले में भी हुकूमत को बहुत संजीदगी से गौर करना है कि क्या हम उस माहौल को सामने रखकर कोई तैयारी कर रहे हैं या नहीं।

SHRI MUTHAMSETTI SRINIVASA RAO (AVANTHI) (ANAKAPALLI): Thank you, Madam, for giving me this opportunity to speak on this important issue.

Terrorists are the common enemies of all countries. In 26/11 bomb blast they have cruelly killed so many people in India. But unfortunately, the Government of Pakistan – I do not know the reasons behind it – is very liberal with terrorists. In our Indian mythology, there is one story of Bhasmasur. Now, Pakistan is facing the consequences of what they have done. It is a very great threat to all human beings not only of India but around the world.

Our country should take a lead against terrorism. We should fight against it on every international platform. We should also expose and condemn it.

I would like to salute all our soldiers through this august House.

माननीय अध्यक्ष : कृपया इस संदर्भ में अपनी बात एक वाक्य में कहकर सहभागी बनें।

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा) : अध्यक्ष जी, मैं समझता हूं कि कल जो घटना पाकिस्तान में घटी है कि लखवी जैसे आतंकवादी को बेल दी गई है। इससे यह साफ हो गया है कि कहीं न कहीं पाकिस्तान सरकार आतंकवादियों से मेल-मिलाप करके दुनिया में यह साबित करना चाहता है कि आतंकवाद को हम बढ़ावा देंगे। ऐसी परिस्थिति में हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी पाकिस्तान सरकार से बात करें कि पाकिस्तान अपना रुख स्पष्ट करे कि आखिरकार वह क्या चाहता है।

SHRI E.T. MOHAMMAD BASHEER (PONNANI): Madam, terrorism, wherever it may be, we should fight it with iron hands. There is no doubt

about it. But the lukewarm attitude adopted by the Government of Pakistan is highly objectionable. That attitude of the Government of Pakistan resulted in getting bail to Lakhvi. It is our duty to fight terrorism wherever it exists.

I would like to request this House to pass a Resolution to condemn such kind of incidents.

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB (CUTTACK): Madam Speaker, I stand here to express my anguish. The manner in which Lakhvi has been allowed to go on bail as far as this information goes, it is because of a lawyer's attitude that he was seeking time and that is how the court had allowed him to go on bail.

In our sub-Continent, it seems that courts have become the lawyers' paradise, especially, in Pakistan. When such a sensitive incident has taken place in Peshawar, there is a need that the Pakistan Government should have taken action against those who are imprisoned or convicted in terrorist activities.

As far as we come to understand from media report is that still Pakistan has not learnt any lesson after the Peshawar incident. The expectation was that Pakistan would change its course of utilising terrorism as a means of foreign policy and as a means of defence policy. But with this attitude of letting out Lakhvi from jail demonstrates that they still believe there are some good terrorists, there are some good Taliban and there are some bad Taliban. I hope and believe, perhaps, that this is not true but it seems that Pakistan is going to utilise Hafeez and Lakhvi against the Taliban of Afghanistan and they want to make an inroad into Afghanistan. In that respect, I think, our Government should be more doubly conscious and not only keep watch on whatever Pakistan is doing in the far-off northern State of Afghanistan and in their own country but also take active steps to pressurise the Pakistan Government to mobilise its armed forces and also its mechanism in judiciary to bring down all the terrorist activities and also prosecute them as per the rule of law.

SHRI N.K. PREMACHANDRAN (KOLLAM): Madam, terror and terrorism is a crime against humanity. There is no justification for terrorism. The world experience also goes to show that whoever promotes terror and terrorism are being finished by the same evil force. Here also, in Pakistan after having the Peshawar incident of killing of more than 120 children, it is really regrettable. Even then, Pakistan is not learning lessons after the incidents and experiences which they are facing.

Madam, my submission to this august House is that beyond all the political differences, the entire House should unanimously condemn this act of the Pakistan Government in allowing Lakhvi to go on bail. That should be condemned. It is highly objectionable. In this case, this august House should give a message to the whole world that India is united in fighting the evil forces of terrorism.

श्री तारिक अनवर (कटिहार): अध्यक्ष महोदया, दो दिनों पहले पाकिस्तान में आतंकवादियों द्वारा 132 बच्चों की निर्मम हत्या के बाद ऐसा लगा था कि पाकिस्तान की आंख खुलेगी। वहां के प्रधान मंत्री ने अपने बयान में यह कहा था कि अब आतंकवादियों से अंतिम लड़ाई लड़ी जाएगी। उन्होंने हमारे प्रधान मंत्री को इस बात के लिए आश्वस्त भी किया था कि आतंकवाद के खिलाफ जो लड़ाई है, उसे हम सब एकजुट होकर लड़ेंगे। लेकिन, इसके दो ही दिनों के बाद वहां की अदालत का जो फैसला आया है, जिसमें मुम्बई हमले के आतंकवादी को ज़मानत पर रिहा किया गया है, यह मामला इस बात को दर्शाता है कि पाकिस्तान के प्रधान मंत्री ने जो बात कही थी, उसमें सीरियसनेस कम है, गंभीरता कम है। भारत सरकार को इस मसले को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए। ऐसे आतंकवादियों को अगर किसी भी तरीके से शह मिलता है तो आतंकवाद से लड़ने का जो संकल्प है, चाहे वह हमारे देश का हो या पाकिस्तान का हो, मैं समझता हूं कि उसमें कमी आएगी। इसलिए भारत सरकार को पाकिस्तान से मज़बूती के साथ बात करनी चाहिए। यहां जो सुझाव आए हैं, इस मामले में हम सब एक हैं कि हिन्दुस्तान के ऊपर हमला करने वाले जो भी आतंकवादी हैं, अगर उन्हें इस तरह से रिहा किया जाता है या पनाह दिया जाता है तो भारत उसे किसी भी क़ीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा, यहां की जनता उसे बर्दाश्त नहीं करेगी।

श्री राकेश सिंह (जबलपुर) : अध्यक्ष महोदया, अभी-अभी पाकिस्तान में जिस तरह से निर्ममता पूर्वक 132 बच्चों की हत्या हुई थी, पूरे विश्व में शोक की लहर थी। वहां माताओं ने अपने बच्चे खोए थे, लेकिन यहां समाचार माध्यमों में समाचार को देखते हुए हमारे देश के भीतर माताएं रो रही थीं। पूरा विश्व स्तब्ध था। हमारे माननीय प्रधान मंत्री जी ने भी टेलीफोन से बात करके उनके इस बड़े दुख में सहभागी होने की बात की थी। ऐसा लगता था कि इस आतंकवादी घटना के बाद पाकिस्तान के रवैये में परिवर्तन आएगा, लेकिन बहुत अफसोस है कि दो दिन के भीतर ही जो रवैया सामने आया है, उसमें कोई परिवर्तन दिखाई नहीं देता। 26-11 का जो मास्टरमाइंड जकीउर्रहमान लखवी था, उसको जिस तरह से वहां की अदालत ने यह कहते हुए कि अभियोजन के पास कोई पर्याप्त सबूत नहीं हैं, इसलिए उसको जमानत पर रिहा किया है, वह बहुत ही दुखद है।

अध्यक्ष महोदया, मैं अधिक समय न लेते हुए इतना कहना चाहता हूं कि 26-11 की घटना के बाद जो आरोपी जिन्दा पकड़ा गया था, कसाब, उसने अपने बयान में यह बताया था कि लखवी ही वह शख्स था, जो सेटेलाइट फोन के जरिए लगातार निर्देश दे रहा था। उसी ने उन्हें ट्रेनिंग दी थी। भारत के द्वारा तमाम सबूत जो पाकिस्तान को सौंपे गए थे, 2009 में उसके बाद उसकी गिरफ्तारी हुई थी। तब से लेकर अभी तक 46 गवाह वहां पर पेश हो चुके हैं और उन सभी 46 गवाहों ने इस बात को स्वीकार किया है कि लखवी समेत वे सारे लोग, छः बाकी के लोग उस घटना के मुख्य आरोपी हैं। 15 गवाह अभी बाकी हैं. संभावना है कि वे भी लखवी के खिलाफ में ही गवाही देने वाले हैं। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान को ओर किस तरह के सबूत चाहिए।

अध्यक्ष महोदया, पूरा सदन एकमत एवं एकजुट है, चिन्तित है। इसलिए सदन से आज एक ही आवाज जानी चाहिए, एक ही संदेश देना चाहिए कि किसी भी स्थिति में आतंकवाद को हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों का हम पूरी ताकत और क्षमता के साथ विरोध करेंगे। धन्यवाद।

श्री चिराग पासवान (जमुई) : अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि कुछ मुद्दे ऐसे होते हैं जोकि दलगत राजनीति से, जात-पात, धर्म, मज़हब और देश की सीमाओं से उठ कर होते हैं। टैरेरिज़्म और आतंकवाद के खिलाफ हमारी जंग, उनमें से एक ऐसा ही महत्वपूर्ण मुद्दा है। कुछ दिन पहले हमने देखा, जिस तरीके से पेशावर में 132 बच्चों को बेरहमी से मार दिया गया। उसके खिलाफ पूरा देश, पूरी दुनिया एकजुट हुई। जिस तरीके से पाकिस्तान के प्रधान मंत्री जी का भी वक्तव्य आया, उससे भी एक बार के लिए भावना जागी और खास तौर पर हम भारतवासियों को इस बात का विश्वास हुआ, क्योंकि उनके खुद के घर में इतनी बड़ी साजिश रची गई है, इतनी बड़ी घटना घटी है तो शायद पहली बार पाकिस्तान भी एकजुट होकर गंभीरता से कुछ ऐसे कड़े कदम उठाएगा, जोकि देश एवं दुनियाभर में फैले हुए आतंकवाद के खिलाफ एक कड़ा संदेश जाएगा। परन्तु हमने देखा कि जिस तीरीके से दो दिन के भीतर ही एक ऐसा वाक्या होता है, जिस तरीके से 26-11 के आरोपियों को वहां से बरी किया जाता है तो उधर शायद दिखता है कि पाकिस्तान का दोहरा चेहरा है, वह कहता कुछ है और करता कुछ है।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि आतंकवाद एक ऐसा मुद्दा है, जिसमें पूरी दुनिया को एकजुट होना चाहिए। इसमें लिबर्टी के लिए कहीं पर कोई स्कोप नहीं है। हमें एकजुट होकर बहुत ही कड़े शब्दों में इसकी न सिर्फ निन्दा करनी चाहिए, बल्कि इसके खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि पेशावर में जो घटना हुई, उन बच्चों को याद करते हुए, 26-11 के शहीदों को याद करते हुए, उनके परिवार के साथ अपनी सहानुभूति रखते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं। धन्यवाद।

श्री भगवंत मान (संगरूर): अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत शुक्रिया। पिछले दिनों जो कुछ भी पाकिस्तान एवं आस्ट्रेलिया में हुआ, पूरी दुनिया आतंकवाद से चिन्तित एवं पीड़ित है। पाकिस्तान की तरफ से खतरनाक अपराधियों को छोड़े जाना, उससे भी ज्यादा चिन्तित है।

मैं कड़े शब्दों में इन घटनाओं की निन्दा भी करता हूं और जितने भी माननीय सदस्यों ने आज जो अपने-अपने वक्तव्य दिए हैं, मैं उनके साथ अपने आप को एसोसिएट भी करता हूं। बहुत-बहुत शुक्रिया।

SHRI K.N. RAMACHANDRAN (SRIPERUMBUDUR): Thank you, Respected Madam. This is a very sensitive issue. We have to create confidence among our people, and for this purpose the Government of India has to take concrete action regarding the Pakistan issue. This is our humble request on behalf of our Party. Thank you.

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT, MINISTER OF HOUSING AND URBAN POVERTY ALLEVIATION AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. VENKAIAH NAIDU): Madam, this is a very serious issue. I am not going to make any statement because I have sent a word to the Minister of External Affairs as well as the hon. Prime Minister. Once the engagement, which I had mentioned, is over, they may be coming here. So, I think that it would be better if we hear it from them. But my point is that I am happy -- as the Parliamentary Affairs Minister -- that the entire House has spoken in one voice, and has reflected the mood of the nation. This itself is a message to Pakistan.

As Mr. Owaisi has said that the present context has to be seen in the context of US withdrawing from Afghanistan, and the related Taliban activities is also a major concern for the entire region. This also has to be kept in mind as all these are very sensitive matters.

As regards other suggestions given by Members, I have prepared a note and I will be giving it to the Minister of External Affairs for a detailed study. Thereafter, whatever future steps are to be taken has to be taken through the Ministry of External Affairs.

The entire House is aware that on the same night the hon. Prime Minister spoke to the Pakistan Prime Minister to convey our sorrow, and also express our solidarity to the people of Pakistan in the hour of crisis where 140 children were killed / massacred. I thought, Madam, speaking for myself, that after that incident there will be a change in the attitude of all the people, leaders, and various wings of administration including the Army in Pakistan, and they will be taking this as a beginning of uniting all the people against terrorism. Unfortunately, the indication has been otherwise, as rightly said by Shri Kharge, by releasing a person who is wanted in the 26/11 incident and against whom so much evidence is piling up every day. So, they have sent a wrong signal. Whether the House should pass a Resolution or ...(*Interruptions*)

SEVERAL HON. MEMBERS : Yes, we should pass a Resolution. ...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU : So, I would appeal to the Chair to ask the Secretariat to draft a Resolution, and that can be approved once one or two leaders from the other side also see it. It is because the general mood is now very clear, and among the suggestions that have been given what are practical and what can be pursued by the Ministry of External Affairs as per our foreign policy, and the nuances of foreign policy also has to be kept in mind while moving further. So, we have no problem as far as a Resolution from the Government side is concerned.

I would request you to take any other business now, and once the Minister of External Affairs / hon. Prime Minister comes, they will intervene and make their submission and that will be better.

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): But you have to stick to it.

माननीय अध्यक्ष : यह बहुत गम्भीर बात है और जिस तरीके से पूरे सदन ने, आप सब लोगों ने विचार रखे, मुझे लगता है कि एक प्रकार से पाकिस्तान में भी, वहाँ के भी पार्लियामेंट मेंबर्स और जनता में इसका एक मैसेज तो जाएगा ही। आप सबके साथ विचार करके एक रेजोल्यूशन रखेंगे। अब हम आगे बढ़ते हैं।